ये बस्ती श्याम दीवानों की,
यहां हार नहीं अरमानों की,
साथी सबके श्याम है यहाँ,
करते सबके काम है यहां।।

तर्ज तू पागल प्रेमी आवारा।

कलयुग के राजा का देखो,
आंगन ये अलबेला,
श्याम दीवानों का लगता है,
रोज यहां पर मेला,
ये बस्ती श्याम की बस्ती है,
यहां खुशियां रोज़ बरसती है,
साथी सबके श्याम है यहां,
करते सबके काम है यहां।।

मन के धागों से बांधों और,
श्याम से नाता जोड़ो,
श्याम के होकर जी लो दर दर,
ठोकर खाना छोड़ो,
सुख चैन है श्याम की राहों में,
यहां भक्त है श्याम निगाहों में,
साथी सबके श्याम है यहां,
करते सबके काम है यहां।।

तेरे मंदिर में जलती है,
ज्योत भी गजब निराली,
चीर के हर अंधियारे गम के,
फैलाती खुशहाली,
जहां धूल भी बरकत बन जाती,
किस्मत भक्तों की चमकाती,
साथी सबके श्याम है यहां,
करते सबके काम है यहां।।

ये बस्ती श्याम दीवानों की,
यहां हार नहीं अरमानों की,
साथी सबके श्याम है यहाँ,
करते सबके काम है यहां।।

Singer Vishal Soni

Source: https://www.bharattemples.com/sathi-sabke-shyam-hai-yahan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples

Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw